धनतेरस को घर में क्या लाना चाहिए?

दशहरा से दीपावली के पावन पर्व पर हम खरीददारी करते हैं। धनतेरस के दिन सोना-चांदी के जेवरात, तांबा-पीतल के बर्तन,इलेक्ट्रॉनिक आयटम, फर्नीचर, कपड़े आदि खरीद कर घर में लाते हैं।

इस वर्ष आप मनीप्लांट का पौधा घर में लाकर लगाने का शुभारंभ करें। मनीप्लांट कांच की बोतल में पानी भरकर लगा सकते हैं। मनीप्लांट का पौधा बहुत मात्रा में आक्सीजन देता है। इसे आप अपने ड्राइंग रूम और बेडरूम में भी लगा सकते हैं। पानी भी सप्ताह में केवल एक बार बदलना चाहिए। मनीप्लांट का पौधा सुंदर होता है और स्वास्थ्यवर्धक भी होता है। पानी में रहकर भी अपने आप बढ़ता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार मनीप्लांट को घर में लगाकर रखने से घर में धन की वृद्धि होती है।

आपका घर धन-धान्य से भरा रहे, आपकी सुख-समृद्धि बढ़ती रहे, आप सपरिवार हमेशा स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहें, इन्हीं मंगलमय शुभकामनाओं के साथ मैं आपको मनीप्लांट का पौधा नि:शुल्क भेंट करना चाहता हूँ।

आप मीरा अस्पताल, शिव मार्ग, बनी पार्क, जयपुर में प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे के बीच में पधारकर नि:शुल्क मनीप्लांट का पौधा भेंट स्वरूप प्राप्त करने का शुभ कार्य करें।

आपका मंगल हो।

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया

दीपावली पर्व पर हम क्या उपहार दें?

जब दीपावली का पावन पर्व आता है तब यह समस्या खड़ी हो जाती है कि हम अपने ईष्ट मित्रों, रिश्तेदारों और समाज के गणमान्यजनों को उपहार में क्या देवें?

50-60 वर्ष पहले के जमाने में बात दूसरी थी। तब हम अपने घर में बनी हुई गुझिया, शकरपारे, नमकीन और अन्य मिठाई लक्ष्मी जी के प्रसाद के रूप में देते थे। समय के साथ प्रथा बदलती गई। फिर हलवाई की दुकान से मिठाई के डिब्बे लेकर सीधे उपहार में देते रहे।

आजकल मिठाई में नकली मावा, घटिया तेल-घी, जहरीले केमिकल वाले रंग, सड़े-गले काजू- बादाम-पिस्ता आदि के कारण यह और भी खतरनाक और जोखिम भरा लगता है कि मिठाई का डिब्बा कितना पुराना होगा।

मंहगाई और मंदी की मार के कारण बहुत अधिक मंहगा उपहार देना भी हमारे लिए कठिन हो गया है।

ऐसे में सबसे अच्छा उपहार यह होगा कि आप कुछ पौधे उपहार में देवें। 5-5 पौधे भी किसी को देंगे तो पर्यावरण में भी सुधार आएगा और यदि औषधीय गुणों के पौधे जैसे - तुलसी, मीठा नीम यानी कढ़ी पत्ता, गिलोय, ग्वारपाठा, सदा बहार, अजवायन आदि जो भूमि के अलावा गमलों में भी लगाए जा सकते हैं, को आप उपहार में दे सकते हैं, इससे स्वास्थ्य लाभ भी होगा।

10 मित्रों को 5-5 पौधे देने के लिए 50 पौधे चाहिए। आप 50-60 पौधे एक साथ, और आपको जितने चाहिए, उतने पौधे तुलसी और मीठा नीम यानि कढ़ी पत्ता के, मुझसे निःशुल्क प्राप्त करने के लिए प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे तक पधारकर ले जा सकते हैं और इसके लिए गत्ते का एक कार्टन साथ लेकर अवश्य आवें, जिसमें रखकर 50-60 पौधे ले जा सकें।

अभी तक मैं 17,000 से अधिक पौधे वितरण कर चुका हूँ और 10,000 पौधे अभी और वितरित करना चाहता हूँ। इसलिए आप निसंकोच पधारकर मुझे अनुग्रहित करें।

मुझे आपसे मिलकर आपका स्वागत करने में हार्दिक प्रसन्नता होगी।

दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएँ।

आपका मंगल हो।

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया

मेरा वाट्सऐप नंबर 93148 77066

मेरा पता -----

मीरा अस्पताल एवं

मीरा डेन्टल हास्पिटल,

कर्तव्य,

शिव मार्ग, बनी पार्क, जयपुर

पुनश्च-

आप अपने मित्रों को इस मेसेज को भी एक गिफ्ट के रूप में फारवर्ड करके सूचना दे सकते हैं। जयपुर से बाहर के मित्रों से निवेदन है कि आप सभी इस मेसेज को आगे फारवर्ड करने का कष्ट करें जिससे कि सभी को प्रेरणा मिलेगी और पर्यावरण के लिए जागरूकता बढ़ाने में आपके सहयोग की प्रशंसा होगी।

सभी बन्धुओं को जिन्होंने लान या बगीचा लगा रखा है, अपने एक्स्ट्रा पौधे अपने पड़ोसियों को उपहार में देने की प्रसन्नता का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरणा मिलेगी। धन्यवाद